FORTIFICATION : I. The works : (1) गुप्तिः (=defences), *the f.s are most inaccessible*: अलङ्घ्यतमा गुप्तिः, D.; (2) दुर्गम् (=fort), *f.s naturally strong*: प्रकृत्या विषमं दुर्गम्, Mah.; (3) प्राकारपरिखादि (n.). II. The operation: गुप्तिः ; दुर्गकर्मन् (n.), Mah. s. 86. 3.

FORTIFIER : expr. by verb, *f. of a town*: नगरगुप्तिकारः.

FORTIFY (v.) : I. In gen. : v. To strengthen, confirm. II. To render defensible : (1) सुगुप्त' (f. प्तां) *or* सुरक्षितं (f. तां) करोति, *to f. strongly*: परमां गुप्तिं करोति, Ka. ; (2) by circumlo. : "पुरी समन्ताद्विहिता सपताका सतोरणा । सचक्रा सहुडा चैव सयन्त्रखनका तथा ॥........संक्रमा भेदिताः सर्वे नावश्च प्रतिषेधिताः । परिखाश्चापि कौरव्य कीलैः सुनिचिताः कृताः ॥ उदपानाः कुरुश्रेष्ठ तथैवाप्यम्बरीषकाः । समन्तात् कोशमात्रश्च कारिता विषमा च भूः ॥", Mah. iii. 156.

FORTITUDE : (1) धैर्यम् ; (2) धृतिः (rare), R. viii. 66.

FORTNIGHT : (1) पक्षः, *in three f.s*: पक्षत्रये, L.s. ; *the dark f.*: कृष्णपक्षः ; *the light f.*: शुक्लपक्षः ; (2) मासार्द्धम् (=half a month).

FORTRESS : I. A fort : q.v. : दुर्गम्. II. A town : सुगुप्त' नगरम् and sim. expr.

FORTUITOUS : (1) आकस्मिकः (की, कं) ; (2) समापत्ति- in comp. : v. Accidental.

FORTUITOUSLY : दैवयोगेन : v. Accidentally.

FORTUNATE : (1) भाग्यवत् (f. ती), *considered himself more f. than even Indra*: मघवतोऽपि भाग्यवन्तमात्मानमजीगणत्, D. iv. ; (2) सुभाग्य (f. ग्या), *ah ! I am very f.*: अहोऽतीव सुभाग्याऽहम्, Mah. ; (3) सुभगः (गा, गं), *vain of being. f. thinks himself beautiful*: सुभगमानी सुन्दरम्मन्यः, D. ii.; (4) धन्यः (न्या, न्यं) (=happy), *f. are you*: धन्योऽसि, Si ; (5) मङ्गल्य (f. ल्या) (=auspicious : q.v. : of time etc.).

FORTUNATELY : (1) भाग्यात् *or* भाग्येन, सौ- ; (2) दिष्ट्या, U.i.

FORTUNE : I. The goddess : (1) श्रीः ; (2) लक्ष्मीः, *at home she is f.*: इयं गेहे लक्ष्मीः, U. II. Chance, luck : (1) भाग्यम्, *to conceal your good f.*: आत्मनः सौभाग्यं निगुहितुम्, V. ii. ; (*every thing*) *else depends on f.*: भाग्याधीनमतःपरम्, Sa. iv. ; (2) दैवम् : v. Fate. III. Wealth ; possessions : (1) ऋद्धिः ; (2) समृद्धिः ; (3) ऐश्वर्यम्. Ph. : *to tell f.s*: शुभाशुभं वदति, कथयति, etc. : v. To tell.

FORTUNE-HUNTER : ऐश्वर्यलिप्सु (mfn.) and sim comp.s.

FORTUNE-TELLER : (1) दैवज्ञ (f. ज्ञा) ; (2) विप्रश्निका (=female f.) ; (3) कार्तान्तिकः (rare), D. : v. Also soothsayer.

FORTUNE-TELLING : शुभाशुभकथनम् and sim. comp.s.

FORTY : चत्वारिंशत् (f.), *f. times*: चत्वारिंशद्वारान्.

FORUM : अधिकरणम्, -मण्डपः (?).

FORWARD (adj.) : I. In place : (1) अग्रिमः (मा, मं) ; (2) अग्रस्थः (स्था, स्थं). II. Early : (1) शीघ्रपक्व (f. क्वा) (=precocious) ; (2) आकालिकः (की, कं) (=untimely), *a f. spring*: आकालिकी मधुप्रवृत्तिः, Ku. iii. 34. III. Bold, confident : q.v. : प्रगल्भ (f. ल्भा).

FORWARD (v.) : I. To send on : q.v. : प्रेरयति (ईर्, c. 10.). II. To hasten : q.v. : त्वरयति (c. of त्वर्). III. To promote : वर्धयति (c. of वृध्).

FORWARD, FORWARDS (adv.) : (1) अग्रतः ; (2) पुरतः. *To go f.*: पुरः सरति ; *to go backwards and f.*: परिक्रामति ; *from this day f.*: अद्यारभ्य, अद्यप्रभृति; *f.*: पुरो भव, Ku.

FORWARDNESS : I. Promptness, eagerness : q.v. : उत्साहः. II. Boldness, impudence : q.v. : प्रगल्भता. III. Precociousness : शीघ्रपाकः.

FOSSE : खातम् : v. Dich, moat.

FOSSIL : I. Dug out : उत्खातः (ता, तं). II. Petrified : शिलीभूतः (ता, तं).

FOSTER : पुष्णाति *or* पोषयति (पुष्, c. 9. and 10.) : v. To nourish.

FOSTER-BROTHER : (1) धात्रेयः ; (2) धात्रीपुत्रः and sim. comp.s.

FOSTER-CHILD : (1) पोष्यपुत्रः (f. त्री) ; (2) परिष्क(स्क)न्द(न्न) (f. न्दा *or* न्ना) (rare).

FOSTERER : (1) पोषकः, परि- ; (2) पालयितृ (m) ; (3) धातृ (m.) (rare).

FOSTER-FATHER : पालकपितृ (m.) ; धातृ (m.) (rare).

FOSTER-MOTHER : (1) मातृका ; (2) उपमातृ : v. Nurse.

FOSTER-SISTER : धात्रेयी, *by Mālatī's f. Lavangikā*: मालतीधात्रेय्या लवङ्गिकया, Ma. i.